हीरो एंटरप्राइज़ की मेज़बानी में आयोजित 11वें माइंडमाइन समिट में शीर्ष नेताओं और विचारकों ने की चर्चा

नयी दिल्ली। हीरो एंटरप्राइजेज़ द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र थिंक टैंक माइंडमाइन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित भारत के सबसे प्रभावशाली विचार मंच माइंडमाइन समिट का 11वां संस्करण आज राष्ट्रीय राजधानी में संपन्न हुआ। सरकार में वरिष्ठ मंत्री, उद्योगपति और विभिन्न क्षेत्रों से विचारक इस दो दिवसीय समिट में अपने विचारों का आदान प्रदान करने के लिए एक मंच पर आए। इस साल के इस दो दिवसीय समिट का विषय रहा 'अवरोध-भारत के लिए नयी सामान्य चीज' इस समिट का उद्घाटन माननीय शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री श्री वेंकैया नायडू ने किया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि माननीय रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु भी मौजूद थे। इस समिट के दौरान श्री सुनील कांत मुंजाल ने इंपैक्ट इन्वेस्टिंग के क्षेत्र में विश्व में अगुवा और आविष्कार-इंटेलकैप ग्रुप का हिस्सा, आविष्कार द्वारा शुरू किए गए आविष्कार भारत फंड में 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। यह निवेश रोज़गार, शिक्षा एवं कौशल, पर्यावरण, स्वास्थ्य और वित्तीय समावेश के संदर्भ में आज इस देश के समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों से निपटने की श्री मुंजाल की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

इस आयोजन में हीरो एंटरप्राइज़ के चेयरमैन श्री सुनील कांत मुंजाल ने कहा, ''हाल के समय से भारत में बड़े बदलाव हो रहे हैं जिनसे हमारे देश की वृद्धि और विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जैसा कि हमारे मंत्रिगणों ने इस ओर संकेत दिया है, हमारे आसपास ये बदलाव इतनी तेज़ी से हो रहे हैं कि ये अवरोध जैसे प्रतीत होते हैं। इन दो दिनों के सत्रों में हमने 41 प्रमुख वक्ताओं को सुना और 400 प्रतिनिधियों ने गैर पारंपरिक मुद्दों को छूआ जैसे कि क्या हमें विकास को मापने के लिए जीडीपी के बजाय नए सूचकांक की जरूरत है।

हमने भारत की जनसांख्यिकी जैसे विषयों पर चर्चा की और हमें भारत की चुनौतियों का किस तरह से मुकाबला करने की जरूरत है जिससे कैसे यह बड़े आर्थिक अवसर पैदा कर सकता है। हमने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का लाभ लेने के विषय को छूआ। कैसे यह हमारी ताकत बने न कि बोझ। रक्षा तैयारियों और हमारी भू राजनीतिक रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। कुल मिलाकर, ये सभी सत्र काफी गहन विचार वाले रहे और इससे कई जबरदस्त विचार और गैर पारंपरिक बुद्धिमत्ता सामने आई।